<u>प्रेस नोट</u>

हिन्दी दिवस के अवसर पर समाहर्तालय सभागार में
राजभाषा प्रतिज्ञा का किया गया वाचन
राजभाषा हिन्दी के प्रयोग, प्रचार और प्रसार के लिए
निरतर करेंगे प्रयास की ली गई शपथ

दीव दिनांक :- 14/09/2021 :- आज दीव जिले में हिन्दी दिवस के अवसर पर समाहर्तालय सभागार में समाहर्ता, दीव सलोनी राय ने राजभाषा प्रतिज्ञा का वाचन कराया और अधिकारियों व कर्मचारियों को इसके प्रयोग, प्रचार व प्रसार से संबंधित कर्तव्यों की शपथ दिलाई ।

उल्लेखनीय है कि भारत की संविधान सभा द्वारा 14 सितम्बर, 1949 को हिन्दी भाषा भारत गणराज्य की अधिकारिक भाषा के रूप में अंगीकार की गई थी, अर्थात इसी दिन हिन्दी को राजभाषा का दर्जा दिया गया था। फलस्वरूप प्रतिवर्ष 14 सितम्बर को पूरे भारत में हिन्दी दिवस मनाया जाता है। हिन्दी भारत की एकता और अखंडता की पहचान है। अनेकता में एकता का स्वर हिन्दी के माध्यम से गूंजता है। इसमें हमारी सभ्यता और संस्कृति समाहित है। इसकी महता को देखते हूए तथा भारत की राजभाषा होने के कारण भारत सरकार के मंत्रालयों, विभागों, अधिसूचित बैकों, निगमों, निकायों, सरकारी एवं गैर सरकारी संगठनों द्वारा इसके प्रयोग, प्रचार एवं प्रसार के लिए कार्य होता रहा है। हिन्दी दिवस के सुअवसर पर भारत सरकार के सभी सरकारी कार्यालयों, निजी कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों, बैकों, निगमों और निकायों के कार्मिकों द्वारा राजभाषा प्रतिज्ञा लेने और इसका अनुपालन करने की शपथ ली जाती है। आज इस अवसर पर समाहर्तालय के सभागार में कार्मिकों द्वारा यह प्रतिज्ञा ली गई कि हम अपने उदाहरणमय नेतृत्व और निरंतर निगरानी से, अपनी प्रतिबद्धता और प्रयासों से, प्रशिक्षण और पुरस्कार से अपने साथियों में राजभाषा प्रेम की ज्योति जलाने का प्रयास करेंगे और उन्हें प्रेरित और प्रोत्साहित करेंगे। अपने अधीनस्थ के हितों का ध्यान रखते हूए तथा अपने प्रबंधन को और अधिक कुशल एवं प्रभावशाली बनाते हूए राजभाषा हिन्दी का प्रयोग, प्रचार और प्रसार बढ़ायेंगे तथा राजभाषा संवर्द्धन के प्रति सदैव उर्जावान और निरंतर प्रयास करेंगे।

हिन्दी दिवस के अवसर पर दीव जिले के अलग-अलग विभागों, शैक्षणिक संस्थानों, बैंकों, दीव नगरपालिका परिषद, जिला पंचायत तथा निकायों व सरकारी तथा गैर सरकारी संगठनों में भी राजभाषा प्रतिज्ञा को पढ़ा गया तथा अधिकारियों व कर्मचारियो द्वारा संकल्प लिया गया कि राजभाषा हिन्दी के प्रचार एवं प्रसार हेतु निरंतर प्रयास करेंगे और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे।

ज्ञातव्य है कि इस अवसर पर कई विभागों और शैक्षणिक संस्थानों द्वारा हिन्दी सप्ताह एवं पखवाड़ा भी मनाया जा रहा है जिसमें वाक, निबंध, शब्दावली ज्ञान, श्रुतिलेखन तथा मसौदा एवं टिप्पण प्रतियोगितायें आयोजित की जा रही है।